

*Statement*

S. No.	Name of Agro-Industries Corporation	Information furnished
1.	Gujarat	GDR Suppliers have supplied 238 sets of modification packages and III loose items. 203 tractors have been modified so far with the help of the items received from them.
2.	Rajasthan	146 modification sets were received with other spare parts. 7 Tractors were salvaged.
3.	Punjab	GDR Suppliers have carried out modifications on 301 tractors in Punjab upto November, 1970. Modifications have failed to improve working of the tractors. GDR Suppliers are carrying out modifications on remaining tractors since March, 1971. The farmers are reluctant for modifications.
4.	Mysore	30 boxes of Clutch parts, 10 items of electrical parts were received but they are not fixed to tractors. No action is taken to rectify defects by GDR suppliers.
5.	Andhra Pradesh	Spares worth Rs. 5,29,250/- have been received 190 tractors were attended to but troubles are persisting.
6.	Tamil Nadu	The spare parts needed for carrying out the modifications, as per the Agreement reached with the GDR suppliers have since been moved to Madras. Modifications works are being carried out under the supervision of GDR technicians. The modifications work actually started on 12-3-71 and so far 35 RS-09 tractors were found damaged. At the time of clearance of RS-09 tractors, five tractors are found damaged, with missing spare parts. These 5 tractors are not complete and spare parts are required to be acquired from GDR suppliers.

1970-71 में आयातित ट्रैक्टरों का राज्यों को वितरण

1868. डा० लक्ष्मी नारायण पांडे : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1970-71 में आयात किये गए ट्रैक्टरों में से विभिन्न राज्यों को दिये गये ट्रैक्टरों का राज्य स्तर पर वितरण क्या है ;

(ख) क्या इनमें से पंजाब सरकार को दिये गये 600 जर्मन ट्रैक्टर दोषपूर्ण पाये गये थे ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (जी. लक्ष्मणशास्त्रिणी पी० सिन्घे) : (क) वर्ष 1969-70

की मांग को पूरा करने के लिए भारत-सरकार ने 35,000 ट्रेक्टरों का आयात करने का निर्णय किया था। इनमें से 33,500 ट्रेक्टरों के आयातों के लिए अब तक संविदायें पूरी की जा चुकी हैं। इन 33,500 ट्रेक्टरों में से 16,875 ट्रेक्टर पहले ही विभिन्न राज्य कृषि उद्योग निगमों को आबंटित किये जा चुके हैं। राज्यवार ब्यौरा प्रदर्शित करने वाला एक विवरण संलग्न है। अधिक ट्रेक्टरों का आबंटन यथा समय किया जाएगा। वर्ष 1970-71 की मांग के लिए आयात कार्यक्रम सरकार के विचाराधीन है।

(ख) वर्ष 1968-69 के आयात कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्वी जर्मनी से आयातित 600 आर० एस०-9 ट्रेक्टर पंजाब कृषि उद्योग निगम को आबंटित किए गये थे। ये ट्रेक्टर 1969-70 के दौरान प्राप्त हो गये थे। इन ट्रेक्टरों की कार्य-क्षमता के बारे में आम शिकायतें प्राप्त हुई थी।

(ग) दिनांक 21-2-71 को भारतीय राज्य व्यापार निगम तथा पूर्वी जर्मनी के सम्भरण-कर्ताओं के बीच आशोधित आर० एस०-09 ट्रेक्टरों की धावशी के लिए एक नयाचार पर हस्ताक्षर किये गये थे। इस नयाचार की एक प्रति सभा के पटल पर रखी जा चुकी है।

### विवरण

1969-70 की मांग के अनुरूप विभिन्न राज्य कृषि उद्योग निगमों को वास्तव में आबंटित ट्रेक्टरों की संख्या।

क्रम सं० राज्य कृषि उद्योग आबंटित ट्रेक्टरों निगम का नाम की संख्या

1.	आन्ध्र प्रदेश	1,539
2.	असम	150
3.	बिहार	1,089

4.	गुजरात	1,254
5.	हरियाणा	1,432
6.	जम्मू तथा कश्मीर	120
7.	केरल	287
8.	मध्य प्रदेश	1,254
9.	तमिलनाडू	1,285
10.	महाराष्ट्र	1,339
11.	मैसूर	939
12.	उड़ीसा	190
13.	पंजाब	1,584
14.	राजस्थान	1,734
15.	उत्तर प्रदेश	2,579
16.	पश्चिम बंगाल	50

कुल 16,875

### कोयले के मूल्य में वृद्धि

1869. डा० लक्ष्मी नारायण पांडे : क्या इस्पात और ज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में इस समय कोयले की अनियमित सप्लाई के कारण लगातार कोयले के मूल्य बढ़ते जा रहे हैं।

(ख) कोयले की अनियमित सप्लाई के क्या कारण हैं ;

(ग) स्थिति में कब तक सुधार हो जाने की सम्भावना है ; और

(घ) मूल्यों में वृद्धि को रोकने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?